ये अव्यक्त इशारे

# सदा हर्षित रहने के लिए अपनी नेचर को सरल बनाओ, सहनशील बनो

**28-06-2026**

आप सभी मास्टर विश्व-निर्माता हो, इस स्मृति से निर्मानता का गुण सहज आ जायेगा और जहाँ निर्माणता अर्थात् सरलता नेचुरल रूप में रहेगी वहाँ अन्य गुण भी आटोमेटिकली आ ही जाते हैं। तो सदैव इस स्मृति स्वरूप में स्थित रहकर फिर हर संकल्प वा कर्म करो। फिर यह जो भी छोटी-छोटी बातें सामना करने के लिए आती हैं, वह ऐसे अनुभव होंगी जैसे कोई बुज़र्ग के आगे छाटे-छोटे बच्चे बचपन के खेल करते हैं। उसका उन्हें कोई असर नहीं होता।

## To remain constantly cheerful, be easy-natured and tolerant.

**All of you are master world creators. When you have this awareness, you will easily develop the virtue of humility. When you have humility, that is, easiness in a natural way, all other virtues come automatically. First be stable in the constant awareness of this form and then think and act. All of the little things that come to oppose you, which you have to face, will then be experienced to be like the games of little children who play in front of their elders, who are not affected by them at all.**